Publication: Hindustan
Date: September 30, 2019

● दिल्ली और एनसीआर में होम डिलीवरी की भी पहल शुरू ● प्लास्टिक के इस्तेमाल पर अंकुश के लिए दी जा रही है छूट

टोकन मशीन से दूध की बिक्री को बढ़ावा देगी मदर डेयरी

योजना

नई दिल्ली | एजेंसी

मदर डेयरी प्लास्टिक की थैली वाले दूध के बजाय टोकन मशीन से दूध की बिक्री को बढ़ावा देगी। इसे प्रोत्साहित करने के लिए टोकन मशीन वाले दूध पर बड़ी छूट दे रही है। इसके अलावा मदर डेयरी ने होम डिलीवरी जैसी पहल भी शुरू की है।

प्लास्टिक के उपयोग पर अंकुश लगाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के बाद कंपनी ने यह फैसला लिया है। मदर डेयरी ने वर्ष 2020 तक 25 राज्यों से 830 टन प्लास्टिक संग्रहण करने और उसका पुनर्चक्रीकरण (रीसाइकिल) करने का भी संकल्प किया है।

कंपनी इस कार्य को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के द्वारा प्रमाणित उत्पादक उत्तरदायित्व संगठन की मदद से करेगी। मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक संग्राम चौधरी ने कहा कि हम टोकन से होने वाली दूध की बिक्री को बहुत प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसके लिए प्रति लीटर चार रुपये की छूट भी दे रहे हैं, ताकि उपभोक्ताओं में टोकन के माध्यम से दूध खरीदने का प्रचलन बढ़े। हम दिल्ली-एनसीआर में होम डिलिवरी मॉडल पर काम शुरू कर रहे हैं। इसके लिए मोबाइल डिलिवरी वैन बढ़ाई जाएंगी। पोषण की समस्या को ध्यान में रखकर, मदर डेयरी पहले से ही टोकन से बेचे जाने वाले दूध में विटामिन ए-डी का सम्मिश्रण सुलभ करा रही है। टोकन से दूध खरीद के प्रचलन को बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार अभियान चलाने के अलावा मदर डेयरी टोकन दूध बिक्री केंद्रों का भी जीर्णोद्धार करेगी।

140 करोड़ रुपये का पड़ेगा बोझ

संग्राम चौधरी ने कहा कि मदर डेयरी ने टोकन से दूध बिक्री काम वर्ष 1974 से शुरू किया था। मौजूदा समय में कंपनी प्रतिदिन छह लाख लीटर टोकन दूध बेचती है। इसे और बढ़ाने के लिए दूध प्रसंस्करण क्षमता को बढ़ाकर 10 लाख टन किया जाएगा। इसके बाद आधारभूत ढांचा केंद्रों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। ताकि, ग्राहकों को शानदार अनुभव प्राप्त हो सके। हालांकि, ग्राहकों को दी जाने वाली इस छूट से कंपनी पर सालाना 140 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा।

प्लास्टिक थैलियां जमा करने की मुहिम

प्रबंध निदेशक ने कहा कि इस महीने की शुरुआत में मदर डेयरी के बूथों के माध्यम से प्लास्टिक की थैलियां जमा करने की मुहिम शुरू की गई है। इसके तहत दो अक्टूबर तक दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 1,000 किलोग्राम प्लास्टिक की थैलियां इकट्ठी की जाएंगी। इनसे रावण का पुतला तैयार किया जाएगा और गांधी जयंती के अवसर पर पुतले का पुनर्चक्रीकरण किया जाएगा। इसके अलावा, मदर डेयरी ने पूरी तरह से प्लास्टिक के उपयोग से बचने के लिए वैकल्पिक पैकेजिंग और वितरण प्रणाली विकसित करने के लिए अनुसंधान शुरू किया है।